श्याम तेरे मिलने का.....

श्याम तुमसे मिलने का सतसंग ही ठिकाना है।
दुनिया वाले क्या जानें अपना रिश्ता पुराना है।।

सूरज में ढूँढा तुम्हें चन्दा में पाया है।
तारों के झिलमिल में मेरे श्याम का बसेरा है।।
श्याम तुमसे .....

फूलों में देखा तुम्हें कुँजों में पाया है।
कलियों की खुश्बू में मेरे श्याम का बसेरा है
श्याम तुमसे .....

वृन्दावन में ढूँढा तुम्हें द्वारिका में पाया है।
गोकुल की गलियों में मेरे श्याम का बसेरा है।।
श्याम तुमसे .....

गंगा जी में ढूँढा तुम्हें सरजू जी में पाया है
यमुना जी की लहरों में मेरे श्याम का बसेरा है।।
श्याम तुमसे .....

रामायण में ढूँढा तुम्हें गीता जी में पाया है
श्री भगवान् के पन्नों में मेरे श्याम का बसेरा है।।
श्याम तुमसे .....

मंदिर में ढूँढा तुम्हें गीता जी में पाया है
श्री गुरुवर की वाणी में मेरे श्याम का बसेरा है।।
श्याम तुमसे .....

श्याम तुमसे मिलने का सतसंग ही ठिकाना है।
दुनिया वाले क्या जाने अपना रिश्ता पुराना है।।